तापमान

अधिकतम 30 .0 डिग्री
न्यूनतम 20 .0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, मंगलवार, 15 जुलाई 2025

11 सावन के पहले सोमवार पर शिव मंदिरों में लगी भक्तों की भीड़ जलाभिषेक कर भोले को किया प्रसन्न

12 बरसात से जलभराव के बाद एक्टिव होने लगा डेंगू का डंक, फोगिंग की पड़ने लगी जरूरत

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। खरखड़ा में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर 26 जून को मारपीट करने के आरोप में केस दर्ज किया गया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में गांव निवासी कुलदीप, प्रदीप, राजबाला व बीना को गिरफ्तार करते हुए तफ्तीश में शामिल कर लिया। बाद में आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सट्टा खाईवाली करते एक आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने महेश्वरी की भगवानसिंह कॉलोनी में सट्टा खाईवाली करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि कॉलोनी निवासी डेविड सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 5670 रुपये राशि बरामद की गई हैं। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

मारपीट मामले में दो आरोपी चढ़े हत्थे

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। झगड़े में घायल व्यक्ति के बयान पर पुलिस ने गत 3 जून को कई आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने झज्जर के गांव सूहरा निवासी सचिन और झज्जर के ही सिलाना निवासी नवीन को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

करंट की चपेट में आकर पलंबर की मौत

कोसली। मलूपुरा मोहल्ले में बिजली के करंट की चपेट में आने से पलंबर की मौत हो गई। कान्हड़वास निवासी 26 वर्षीय शंकर पलंबर का कार्य करता था। वह मलूपुरा मोहल्ले में एक मकान में कार्य कर रहा था। दीवार में झिरी फोड़ते समय वह करंट की चपेट में आकर जमीन पर गिर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद कोसली थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस करंट प्रवाहित होने के कारणों की जांच कर रही है।

घरेलू विवाद के चलते फांसी लगाई

कोसली। नांगलिया रणमोख में करीब 32 वर्षीय युवक ने घरेलू विवाद के चलते फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार प्रीतम नाम के युवक का पत्नी के साथ विवाद रहता था। इसी के चलते उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने के बाद रोहड़ाई पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। बाद में शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

मारपीट व धमकी मामले में गिरफ्तार

नाहड़। बव्वा में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस चौकी ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घायल के बयान पर 11 जुलाई को गांव निवासी राकेश के खिलाफ केस दर्ज किया था। उस पर सीमेंट की टाइल से हमला करने और धमकी देने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी राकेश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

बरसात के बाद कई मार्गों पर तीन-तीन दिन जलभराव की स्थिति

बरसात के सीजन में न पानी की निकासी के प्रबंध और न ही गड्ढों के कारण मिल रहा सुरक्षित सफर

■ शहर में गांव से भी बदतर हालात, वाहन चालकों के लिए गड्ढे बन रहे आफत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बरसात के कारण शहर पूरी तरह बदहाली की ओर अग्रसर हो चुका है। शहर की सड़कों पर जगह-जगह जलभराव होने से गंदगी व कीचड़ हो गया है, वही जगह-जगह गड्ढों के कारण शहर की सड़कों पर सुरक्षित सफर करना भी मुश्किल हो गया है। शहर के सरकुलर रोड, बाजार, कॉलोनियों व मुख्य मार्गो की सड़कें गड्ढों में तब्दील होकर लोगों के आफत बनी हुई है। प्रशासन की ओर से सिर्फ बैठक करके बातों के जरिये लोगों के सफर को सुगम व सुरक्षित बनाने के दावे किए जा रहे है, लेकिन धरातल पर कुछ भी हलचल तक नजर नहीं आ रही है। थोड़ी सी बरसात में ही शहर की सभी सड़कों पर जलभराव होने से स्थिति बिगड़ जाती है। शहर की सड़कों पर चलने के लिए लोगों को अपने स्तर पर ही सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि प्रशासन की ओर से लंबे समय से सिर्फ जलभराव से निपटने व जर्जर सड़कों की मरम्मत करने के लिए विभागों को पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए जा रहे है, लेकिन शहर की सड़कों पर व्याप्त गड्ढे प्रशासन की ओर से किए गए पुख्ता प्रबंध के दावों को हवाहवाई करते नजर आ रहे है। बरसात के बाद कई मार्गों पर तीन-तीन दिन जलभराव की स्थिति बनी रहती है।

रेवाड़ी। नगर परिषद के पास सड़क पर गड्ढे, भाड़ावास गेट के बीच में गड्ढा,अनाजमंडी रोड पर गड्ढा। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। मिनी बाइपास की नई सड़क की निकली रोड़ियां, ब्रास मार्केट की मेन सड़क के गड्ढों में जमा पानी। फोटो :हरिभूमि

सभी सड़कों की हो चुकी दयनीय हालत

शहर के करीब चार किलोमीटर के सरकुलर रोड पर काफी जगह गड्ढें बन गए है। इसके अलावा बावल रोड, नगर परिषद के सामने, नारनौल रोड, मिनी बाइपास, गढ़ी बोलनी रोड, दिल्ली रोड, मॉडल टाउन, ब्रास मार्केट, सेक्टर-3, सेक्टर-1 में लंबे समय से सड़कों पर ध्यान तक नहीं दिया जा रहा है। इन सड़कों पर बने गड्ढें लोगों के लिए आफत बने हुए है। यहां तक कि सचिवालय रोड पर भी काफी गड्ढे हो चुके है। भाड़ावास गेट से मोती चौक, गोकल बाजार, रेलवे रोड व काठमंडी की सड़कों की काफी दयनीय हालत हो चुकी है। बाजार में खरीदारी करने के लिए आने वाले लोगों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही है।

मॉडल टाउन में अधूरा पड़ा सड़क कार्य

मॉडल टाउन में बावल रोड से गुरु चौक जाने वाले मार्ग की सड़क की करीब की खुदाई किए हुए तीन माह बीत चुके है, जिसके बाद शुरू किया गया सड़क निर्माण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। बरसात के कारण टूटी सड़क पर जलभराव होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है तथा जगह-जगह डाली गई निर्माण सामग्री आफत बनने के साथ बरसात के पानी में बह कर बर्बाद हो रही है।

नई सड़कों की बिखरने लगी रोड़ियां

शहर से बरसात के पानी की निकासी नहीं होने के कारण सड़कें जर्जर अवस्था में आती जा रही है। यहां तक हाल ही में बनी नई सड़कों की भी रोड़ियां बिखरने लगी है। मिनी बाइपास की एक महीने पहले लाखों की लागत से बनाई गई सड़क की बरसात में रोड़ियां बिखर चुकी है। ब्रास मार्केट में नई सड़कों का निर्माण करीब डेढ महीने से बंद पड़ा हुआ है। ब्रास मार्केट में सीसी रोड बनाने का कार्य मार्च के अंत में शुरू किया गया था, जोकि अभी तक पूरा नहीं हो पाया हे। ब्रास मार्केट की अनाजमंडी रोड से ब्रह्मगढ़ तक की जर्जर सड़क अभी तक नहीं बन पाई है। मेन सड़क होने के कारण ज्यादातर वाहन यही से गुजरते है। अब मानसून में कार्य अटकने के कारण वाहन चालकों को जर्जर सड़क से परेशानी उठानी पड़ रही है।

गांव की गलियों में फैला ओवरफ्लो जोहड़ का पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली गांव के मध्य में स्थित हरदेवा वाला जोहड़ के ओवरफ्लो होने से गंदा पानी घरों के आगे गलियों में जमा हो गया है, जिसके कारण ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी दूभर हो गया है। जोहड़ के पानी की निकासी को लेकर सोमवार को गांव की महिलाओं ने उपमंडल अधिकारी के कार्यालय में पहुंचकर समाधान शिविर में अपनी शिकायत दी। महिला बिमला, सुशीला, गुलाबकोर, रमेश कुमारी, कृष्णा, सुनीता, राजबाला, अनिल पंच, ओमप्रकाश डाबला पंच, धर्मेंद्र, अनिता, सुरेशबाई, अंजू, भूपेश पंच, सुमन, अजित सिंह, ऊषा देवी, शकुन्तला व डिम्पल ने बताया कि जोहड़ के ओवरफ्लो होने के कारण गलियों में पानी जमा हो गया है, जिसके कारण उनका घरों तक पहुंचना भी कठिन हो गया है। एक महिला सहित दो लोग पैर फिसलने से चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव के सरपंच रामकिशन को कई बार समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन समस्या के समाधान की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। सरपंच रामकिशन ने बताया कि समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा।

रेवाड़ी। जोहड़ के ओवरफ्लो होने से गलियों में फैला पानी, समाधान शिविर में शिकायत देती गांव की महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

महिला के घर से 1.70 लाख रुपये चोरी, पुलिस ने काबू किए दो आरोपी

रेवाड़ी। मोहल्ला रावली हाट में एक महिला के घर से 1.70 लाख रुपये व नाक की बाली चोरी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की गई रकम में से कुछ राशि बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में डोली ने बताया था कि वह एक अस्पताल में नौकरी करती है। उसने करीब एक सप्ताह पहले किसी काम के लिए बैंक से 1.70 लाख रुपये निकलवाए थे। उसने यह राशि व नाक की सोने की बाली कमरे में रखी अलमारी के लॉकर में रखे थे। 13 जुलाई को उसने अलमारी खोली तो लॉकर से नकदी व बाली गायब मिले। उसने अपने बेटे मुकुल से पूछताछ की तो उसने बताया कि पड़ोस में रहने वाले किराएदार यूपी के बहराइच निवासी मोनू शर्मा और अंकित घर पर आए थे। उनमें से एक मुकुल को छत पर लेकर चला गया था। दोनों घटना के बाद से नजर नहीं आ रहे, जिस कारण उसे दोनों पर चोरी का संदेह है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी की 52030 रुपये राशि बरामद की गई है। दोनों आरोपियों से पूछताछ चल रही है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में चोरी के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी विकास कौशिक। फोटो :हरिभूमि

अवैध शराब बेचने का आरोपी पकड़ा

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने महेश्वरी की गोयल कॉलोनी में अवैध रूप से शराब बेचने के आरोपी को शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गोयल कॉलोनी निवासी विकास कौशिक अवैध शराब बेचने का धंधा करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से देशी शराब की 168 बोतल बरामद हुई हैं। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

बच्ची से अश्लील हरकत का आरोपी दोषी करार

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोकेश गुप्ता ने एक 7 वर्षीय बच्ची के साथ स्कूल में अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को दोषी करार दिया है। उसे सात साल के कारावास और 24 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना अदा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

पुलिस को शिकायत में थाना खोल क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया था कि 15 फरवरी 2024 को उनकी सात साल की बच्ची गांव के स्कूल में गई थी। लंच के दौरान एक व्यक्ति उनकी बच्ची को उठाकर स्कूल के बाथरूम में ले गया और उसके साथ अश्लील हरकत करनी शुरू कर दी। बच्ची रोने लगी तो स्कूल के बच्चे भी बाथरूम में पहुंच गए। बच्चों ने घटना की जानकारी तुरंत स्कूल के शिक्षकों को दी। शिक्षक मौके पर पहुंचे तो आरोपी बच्ची को वहीं पर छोड़कर फरार हो गया था। घर आने के बाद बच्ची ने परिवार को आरोपी की हरकत के बारे में बताया। बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाला उसी के गांव का रहने वाला है। थाना खोल पुलिस ने बच्ची के पिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को काबू कर लिया था।

सात साल के कारावास और जुर्माने की सजा

रेवाड़ी। सचिवालय के पास स्थित जिला न्यायिक परिसर। फोटो :हरिभूमि

फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई सुनवाई

जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए और गवाहों के बयान भी दर्ज कराए। पूरे मामले की सुनवाई के बाद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के एएसजे लोकेश गुप्ता ने अदालत ने आरोपी को पोक्सो एक्ट के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने आरोपी को 7 साल कैद और 24 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई है। जुमार्ना अदा नहीं करने पर दोषी को 20 महीने की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी।

शाम को फुवारें गिरने से मौसम हुआ सुहाना, पाल्हावास खंड में सर्वाधिक 66 एमएम बारिश हुई

दोपहर तक उमस भरी गर्मी ने निकाला पसीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम का मिजाज पूरी तरह सावन के रंग में रंगने लगा है। बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा है। आसमान साफ होने के बाद धूप खिलते ही उमस भरी गर्मी पसीना छुड़ाने लगती है, तो बादलों के बीच फुवारें गिरने से मौसम खुशगवार हो जाता है। अगले चार दिन तक रुक-रुककर हल्की या मध्यम बरसात हो सकती है। रविवार की रात कई इलाकों में तेज, तो कुछ इलाकों में हल्की बरसात हुई। सोमवार सुबह 8 बजे तक चौबीस घंटों के दौरान पाल्हावास खंड में सर्वाधिक 66 एमएम और कोसली में सबसे कम 4 एमएम बरसात दर्ज की गई। सोमवार को सुबह से ही आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी होती रही। दोपहर के समय एक बार धूप निकली, तो उमस भरी गर्मी ने पसीना छुड़ाना शुरू कर दिया। दोपहर बाद आसमान में बादल गहरा गए। इसके बाद कहीं हल्की, तो कहीं मध्यम बारिश भी हुई। बारिश के बाद अधिकतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस गिरकर 30.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री की वृद्धि के साथ 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 80 फीसदी से ज्यादा रहा, जबकि हवा की गति 18 किमी प्रति घंटा रही। दोपहर तक उमस भरी गर्मी ने जमकर परेशान किया। कूलरों की हवा भी फेल हो गई। शाम के समय मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक आसमान में बादल गहराए रह सकते हैं। इस दौरान टुकड़ों में बारिश होने की संभावना है।

रेवाड़ी। सोमवार दोपहर को आसमान में छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

खेतों में छाने लगी हरियाली

रुक-रुककर हो रही बरसात से फसलों को अच्छा फायदा मिल रहा है। खेतों में बार-बार होने वाली बारिश से हरियाली छाई हुई है। कपास और बाजरे की फसलों का तेजी से विकास हो रहा है। बारिश के बाद किसानों का फसल सिंचाई से पीछा छूटा हुआ है। मौसम में बदलाव से बिजली की खपत में भी काफी कमी आई है। इस समय बिजली की खपत 60 लाख यूनिट के आसपास ही है। कृषि क्षेत्र में मांग काफी कम हो गई है। लोगों को पावर कटों से राहत मिली हुई है।

मोबाइल से ऑनलाइन सट्टा खिलाते एक काबू

रेवाड़ी। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मोबाइल फोन के जरिये ऑनलाइन सट्टा खेलने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव महेश्वरी भगवान सिंह कालोनी निवासी डेविड के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन व साढ़े पांच हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी की भिवाड़ी मोड पर शर्मा जी कोलड्रींक की दुकान के पास एक व्यक्ति मोबाइल फोन के जरिये ऑनलाइन सट्टा खिला रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार करके बताए हुए स्थान पर पहुंचकर आरोपी को काबू कर लिया। उसने अपना नाम डेविड निवासी भगवान सिंह कालोनी गांव महेश्वरी बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन व 5670 रुपये बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
सहेली
रोहतक, मंगलवार
15 जुलाई 2025

सावन विशेष

लोकरंग में बसा सावन

आ गया सुहाना सावन, मन को मोहने वाला सावन। सावन में रिमझिम बारिश और चहुंओर फैली हरियाली के बीच मन मयूर बनकर थिरक उठता है। एक नहीं अनेक रंग हैं सावन के। सावन की सिर्फ प्राकृतिक ही नहीं, धार्मिक महत्ता भी है। सावन में हम शिवजी की आराधना करते हैं। संपूर्ण परिवार के लिए मंगल कामना करते हैं।

आवरण कथा
अलका 'सोनी'

सावन शुरू होने का अर्थ है-गर्मी की भीषण तपन के बाद बारिश की शीतल फुहारों से राहत, चारों ओर बिखरी मनोहारी हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट। कहते हैं, सावन में संसार के पालन का दायित्व भगवान शिव को सौंप दिया जाता है। उन्हें यह दायित्व सौंप कर श्रीविष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इस तरह सावन का एक धार्मिक महत्व भी है।

सावन में शिव उपासना का विशेष महत्व

सावन में शिव की आराधना होती है, इसका विशेष महत्व है, क्योंकि मां पार्वती ने भगवान शिव को वर रूप में पाने के लिए सावन माह में निराहार रहकर कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें मनचाहा वरदान दिया। इसलिए सावन के महीने में शिव भक्त व्रत रहकर, अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए सोमवार को शिवजी पर जलाभिषेक करते हैं। सुहागिनें भी सावन के महीने में हरी चूड़ियां, हरी साड़ी पहन कर शिवजी की पूजा करती हैं। अपनी संतान, घर-परिवार और अपने सुहाग के कल्याण के लिए वरदान मांगती हैं। इस तरह बारहों महीने में सावन का विशेष महत्व है।

हर्षोल्लास का माहौल

सावन के आते ही प्रकृति ही नहीं वरन जीवन हरा-भरा हो उठता है। बागों में झूले पड़ जाते हैं। महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, सोलह श्रंगार करके अपनी साखियों के साथ झूला-झूलती हैं। साथ ही रिमझिम फुहारों का भी आनंद लेती हैं। माहौल बहुत ही हर्षोल्लासमय हो जाता है।

सावन के झूले

सावन में जगह-जगह पेड़ों पर झूले पड़ते हैं। झूला झूल कर मन प्रफुल्लित-उमंगित हो उठता है। किसी भी वजह से अगर आपको तनाव है तो झूला झूलना आपके लिए बेहतर उपक्रम है। झूला झूलने से बॉडी में हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं, जो मन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, हमें तनाव से उबारते हैं।

दंपती भरते हैं प्यार की पेंगे

सावन में प्रिय से मिलन और उनके साथ झूला झूलने की भी रीति है। सावन माह में रिमझिम बारिश के बीच पेड़ों पर डले झूलों की पेंगें दंपती के बीच प्रेम बढ़ाती हैं। झूलों की पेंगें पति-पत्नी को एक अलग ही खुशनुमा एहसास देती हैं। झूले पर बैठी पत्नी यही चाहती है कि उसका पति उसे झुलाए और दोनों ही सावन का भरपूर आनंद लें।

सावन में कजरी की मधुरता

सावन आते ही लोकगीत कजरी की बहार आ जाती है। शहर में विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के आयोजन से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में धान रोपती महिलाएं और झूलों पर पेंगें भरती युवतियां कजरी गाती हैं- *'हिंडलवा लागल हइ कदमवा भौजी/ चलहु झूले न पियवा सावन में विदेशवा ननदो, हिंडोलवा भावे न आवइ पानी के छिटकवा भौजी।'* आदि गीतों से ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ अलग ही छटा बिखरती है। कजरी लोकगीत ही ऐसा है, जिसे सुनने मात्र से तन-मन रसरंग में भीग उठता है। कजरी गीतों में वर्षा ऋतु के साथ प्रेम का वर्णन भी मिलता है। गायिका स्वाति निरखी कहती हैं, 'कजरी की शुरुआत देवी स्तुति से होती है। विरह वेदना के वर्णन के अलावा श्रंगार कजरी, बारहमासा कजरी, चौमासा कजरी, ननद-भाभी और सास के रिश्ते में छेड़छाड़ को लेकर बनी कजरी भी खूब प्रचलन में है।'

सावन के लोकरंग

सावन हमारे लोक-रंग में रचा-बसा है। इसके आने का इंतजार हम बेसब्री से करते हैं। करें भी क्यों ना, यह हरियाली की सौगात जो लेकर आता है, साथ में लेकर आता है ढेर सारे

त्योहार। इन्हीं दिनों आती है हरियाली तीज, गुड़िया और भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन। इन्हीं दिनों पानी भरे खेतों में रोपाई के लिए जाते कृषक भी दिखते हैं, तो कजरी गाती अल्हड़ युवतियों की सुरीली आवाज एक अलग समां बिखेरती है। हरी-भरी धरती पर बहते पानी में छपक-छपाक करते नटखट बच्चे भी दिखते हैं। इस तरह सावन अपने साथ जीवन के कई रंग लेकर आता है। हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार करता है।

आप सभी को सावन की मंगलकामनाएं...

हाथों में रचती है मेहंदी

सावन के महीने में मेहंदी लगाने की परंपरा है। ऐसा कहा जाता है कि महिला के हाथों पर मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, उतना ही पति का प्यार उसे मिलता है। मेहंदी लगाने से न केवल हाथ खूबसूरत लगते हैं, यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। मेहंदी की महक और रंग इंसान के तनाव को कम करते हैं। मेहंदी की तासीर ठंडी होती है। भीषण गर्मी के बाद सावन के महीने में मेहंदी लगाने से शरीर को शीतलता मिलती है।

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद रिश्ता कोई भी हो, आपस में संवाद बहुत जरूरी है। इससे कभी कोई लतफहमी या मनमुटाव नहीं होता। आपसी संवाद से दूरी बढ़ जाती है। निरंतर संवाद से रिश्ते मधुर ही नहीं होते, मजबूत भी होते हैं।

सलाह
विजय सिंह चौहान

जहां रिश्तों की बुनियाद प्रेम-स्नेह पर टिकी होती है, वहीं इसे मजबूती और स्थायित्व आपसी संवाद देते हैं। संवाद वह अदृश्य डोर है, जो हमें आपस में बांधे रखती है, दूरियां नहीं बनने देती। जब आपस में संवाद नहीं रहता तो गलतफहमियां जन्म लेने लगती हैं, दूरियां बनने लगती हैं। रिश्तों की नींव दरकने लगती है।

फैलता आभासी दुनिया का संजाल

आज के दौर में हमने तकनीक से भले ही नजदीकियां बनाई हैं, लेकिन सिर्फ इसी माध्यम से प्रेमपूर्वक रिश्तों में बंधे रहना मुश्किल है। आभासी दुनिया के इस संजाल से भले हम पूरी दुनिया से जुड़ रहे हों, लेकिन अपनों से कटते जा रहे हैं। एक ही घर में रहने वाले सदस्य अपने-अपने कमरों में बंद मोबाइल और लैपटॉप में उलझे रहते हैं। हंसी-ठहाके, शिकवे-शिकायतें, सवाल-जवाब, सुझाव और सलाह परिवारों में अब कम दिखती है। परिवार में आपसी संवाद अब मौन हो गए हैं।

संवादों के अभाव में बन जाती हैं दूरियां

'कैसे हो?' यह आमने-सामने बैठकर पूछने के बजाय लोग व्हाट्सएप पर पूछ रहे हैं। मिलकर बैठकर बात करना, समय की बर्बादी समझा जाता है। हमें यह समझना चाहिए कि रिश्तों में दूरियां तब आती हैं, जब आपस में बातचीत ना हो। अकसर देखा गया है कि किसी से मनमुटाव का कोई बड़ा कारण नहीं होता, बस कोई छोटी सी बात होती है, लेकिन हम चुप्पी साधे रहते हैं और फिर संवादों के अभाव में दूरियां बन जाती हैं। चुप्पी संबंधों को भीतर ही भीतर खोखला कर देती है। अंततः संबंध बिखर जाते हैं, जबकि संवादों के माध्यम से संबंध सहेजे जा सकते थे।

संवाद कायम करते हैं भरोसा

कहते हैं, संवाद केवल शब्द नहीं, भरोसे की भाषा होते हैं। इसमें सिर्फ बोलना ही नहीं, सुनना और समझना भी शामिल होता है। जब हम किसी की बातें ध्यान से सुनते हैं, जरूरत के मुताबिक सही सलाह देकर उसका संबल बनते हैं तो दो दिलों के बीच भरोसे का एक गहरा रिश्ता बनता है।

अकसर जब रिश्तों में मनमुटाव आता है, हम सोचते हैं, 'हर बार पहल मैं ही क्यों करूं?' या 'उसे जरूरत होगी तो वह खुद संपर्क करेगा।' यह सोच धीरे-धीरे रिश्तों को बिखेर देती है। कभी-कभी बिखरे मोती समेटने के लिए झुकना पड़ता है। रिश्तों में झुकना कमजोरी नहीं, एक बड़प्पन है। एक छोटा-सा संवाद 'कैसे हो?' किसी के सूने मन को झंकृत कर सकता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, रिश्तों में सहज संवाद को स्थान दें। इसलिए कभी-कभी अपनों के लिए फोन उठाइए और बिना किसी औपचारिकता के बात करें। उससे बात करने के लिए घर भी पहुंच जाएं। अपने घर में भी भोजन करते समय मोबाइल और टीवी से दूरी बनाकर रखें, अपने परिवार के साथ दिनभर की बातें साझा करें, पति/पत्नी के मन की सुनिए, बच्चों की जिज्ञासाओं पर ध्यान दें ताकि वे अपने मन की बातें आपके सामने खुलकर करें। आप भी उनको आवश्यतानुसार अपना मार्गदर्शन दे सकें। इस तरह के प्रयास और दिल से बोले संवाद रिश्तों को हमेशा मधुर बनाए रखते हैं। तो अपनों से संवाद बनाए रखें, रिश्ते सहेज कर रखें।

वास्तु सलाह
अनीता जैन, वास्तुविद

अगर वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए और उसके अनुसार घर की सजवाट की जाए तो समृद्धि और सकारात्मकता बनी रहती है। इसके लिए किन उपायों पर अमल करना चाहिए, बता रहे हैं आपको।

घर की सजावट में वास्तु संतुलन बनी रहेगी सकारात्मक ऊर्जा

वास्तु शास्त्र केवल घर-ऑफिस बनवाते समय दिशाओं के निर्धारण या निर्माण तकनीकों तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह हमारे जीवन के अनेक पहलुओं को प्रभावित करने वाली ऊर्जा का विज्ञान भी है। घर में रखी प्रत्येक वस्तु, चाहे वह सजावटी सामान हो, फर्नीचर हो या घरेलू उपकरण, हमारे अवचेतन मन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि इनका स्थान और चयन वास्तु सिद्धांतों के अनुरूप हो, तो जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और उत्साह बना रहता है। आइए जानें कि इंटीरियर डेकोरेशन के माध्यम से किस प्रकार हम अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रख सकते हैं।

प्रवेश द्वार हो ऐसा: घर के प्रवेश द्वार को वास्तु में अत्यंत शक्तिशाली क्षेत्र माना जाता है। यह न केवल आगंतुकों और मेहमानों पर अच्छा प्रभाव छोड़ता है, बल्कि यहीं से घर के भीतर ऊर्जा का प्रवाह आरंभ होता है। इसलिए इस क्षेत्र को सदैव स्वच्छ रखें और यहां शुभ प्रतीक जैसे

स्वास्तिक, ॐ, कलश, घंटी, शंख, मछलियों का जोड़ा या आशीर्वाद मुद्रा में गणेश जी की तस्वीर लगाना शुभ माना गया है। फूलों का तोरण, विशेष तौर पर ताजे या कृत्रिम साफ-सुथरे फूलों से बना, द्वार को आकर्षक और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाता है।

सजावट में शुभता-सौम्यता: घर की दीवारों पर लगाई गई तस्वीरें या शोपीस हमारे मनोभावों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। युद्ध, खंडहर, सूखे पेड़ या हिंसक जानवरों की छवियां घर में अशांति ला सकती हैं। इसके विपरीत दौड़ते हुए घोड़े की तस्वीर (पूर्व या उत्तर-पश्चिम में), हाथी (उत्तर या दक्षिण में) और गाय की तस्वीरें (पूर्व या दक्षिण-पूर्व में) सकारात्मक ऊर्जा, यश और शांति को आमंत्रित करती हैं।

पौधों से आती है ताजगी-समृद्धि: ड्रॉइंग रूम में उत्तर या पूर्व दिशा में मनीप्लांट, बैंबू बंच या छोटे इंडोर पौधे लगाने से वातावरण में ताजगी और घर में समृद्धि बनी रहती है। इस स्थान पर सूखे, कांटेदार या बोंसाई पौधों को लगाने से बचना चाहिए क्योंकि ये अवरोधक ऊर्जा का प्रतीक होते हैं। घर की उत्तर दिशा में लहलहाते खेत या जंगल का चित्र कार्य में सफलता और धन वृद्धि लाने में सहायक होता है।

देवस्थान और प्रकाश का संतुलन: उत्तर-पूर्व दिशा को पूजा, ध्यान और प्रार्थना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। बेहतर होगा इस स्थान पर अपने ईष्टदेव की तस्वीर या प्रतिमा लगाएं। दिवंगत परिजनों की फोटो दक्षिण-पश्चिम में और गुरु की तस्वीर पश्चिम दिशा में लगाने से आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह होता है। घर में प्रकाश की व्यवस्था भी संतुलित होनी चाहिए। रोशनी की सही मात्रा, घर में ऊर्जा को संतुलित करती है।

इन उपायों से घर बनेगा ऊर्जावान

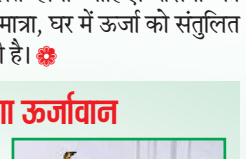

- बेडरूम में दो हंसों या लव बर्ड्स का शोपीस या राधा-कृष्ण की तस्वीर उत्तर दिशा में लगाएं।
- रसोई में गैस स्टोव दक्षिण-पूर्व और पानी का कलश उत्तर-पूर्व दिशा में रखें।
- ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाकर नियमित जल अर्पण करें और दीपक जलाएं।
- उत्तर, ईशान और पूर्व दिशा में हल्के सामान जबकि दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा में भारी फर्नीचर रखें। परदों के रंग भी दिशाओं के अनुसार तय करें।

केयर
डॉ. सरोज राय, डर्मेटोलॉजिस्ट

तब बारिश में नहीं होगी स्किन-हेयर प्रॉब्लम

बहुत सी महिलाएं रेनी सीजन में फेस पर होने वाले पिंपल्स और पिगमेंटेशन से परेशान हो जाती हैं तो कई महिलाओं को हेयर फॉल का भी सामना करना पड़ता है। इन दोनों सीजलन प्रॉब्लम्स से राहत पाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

न छोड़ें सनस्क्रीन लगाना: कई महिलाएं सोचती हैं कि सनस्क्रीन केवल तेज धूप के दिनों में ही लगानी चाहिए। सच्चाई तो यह है कि जब आसमान में बादल छाए रहते हैं, यानी बरसात के दिनों में भी सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणें (यूवी रेज) नुकसानदेह साबित होती हैं। मौसम चाहे जो भी हो, कम से कम 30 एसपीएफ का सनस्क्रीन आपको अपनी स्किन पर जरूर लगानी चाहिए।

करें स्कैल्प की सफाई: पसीने और वातावरण में मौजूद नमी के कारण सिर की त्वचा में इंफेक्शन या डेंड्रफ की प्रॉब्लम हो सकती है। इनसे बचने के लिए बारिश के दिनों में नियमित तौर पर किसी माइल्ड शैंपू से बालों को साफ करें। बारिश में भीग जाएं तब भी बालों को साफ कर पॉल्यूटेंट्स और बारिश का पानी हटा लें। सिर की त्वचा यानी स्कैल्प को साफ रखना फंगल इंफेक्शन और दूसरी समस्याओं से बचाव करता है।

क्रीम-ऑयली प्रोडक्ट का यूज: हैवी गाढ़ी क्रीम और ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल मानसून के नमी वाले मौसम में त्वचा के पोर्स को बंद कर सकता है। इनकी जगह लाइट वेट क्रीम नॉन कॉमेडोजेनिक मॉयश्चराइजर और सीरम का उपयोग किया जाना चाहिए, जो त्वचा को बिना चिपचिपा किए नमीयुक्त रखता है।

ना हो हाइड्रेशन की कमी: हालांकि इस मौसम में वातावरण में अधिक नमी महसूस होती है, लेकिन आपकी त्वचा को अंदर से बाहर तक हाइड्रेटेड रखना भी जरूरी होता है। इसके लिए सुनिश्चित करें कि आप इस मौसम में भी पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और अपने आहार में पानीयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। अपनी त्वचा को पूरे दिन तरोताजा बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फेशियल मिस्ट का उपयोग भी कर सकती हैं।

स्किन रखें ड्राय: बारिश में भीगने के बाद फंगल इंफेक्शन और त्वचा की जलन से बचने के लिए इसे ठीक से सुखाना जरूरी है। खासतौर पर जांघों, अंडर आर्म्स की स्किन को ड्राय रखने पर विशेष ध्यान दें।

अधिक एक्सफोलीएशन से बचें: बेशक स्क्रबर, डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करती है, लेकिन इसके अधिक उपयोग से आपकी त्वचा से आवश्यक तेल निकल सकता है। मानसून के दौरान महीने में एक या दो बार तक ही स्क्रबर का उपयोग करें। इस मौसम में चटपटे व्यंजन अधिक ना खाएं।

प्रस्तुति: चेतना झा

योगोपचार
कौशल किशोर, योगाचार्य

कई महिलाएं और लड़कियां, पीरियड्स के दौरान पेट दर्द, थकान, सिर दर्द या मूड स्विंग से परेशान रहती हैं। इन प्रॉब्लम्स से राहत के लिए आप कुछ योगासनों का अभ्यास कर सकती हैं। यहां कुछ ऐसे ही योगासनों की विधि के बारे में बताया जा रहा है।

पीरियड्स के दौरान उपयोगी हैं ये योगासन

पहले के दौर में ऐसी धारणा थी कि पीरियड्स के दौरान कोई भी वर्कआउट या योगासन नहीं करना चाहिए। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने स्टडी के द्वारा यह सिद्ध कर दिया है कि कुछ योगासन करने से पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं से आराम मिल सकता है। हम आपको यहां कुछ ऐसे ही उपयोगी आसनों के बारे में बता रहे हैं।

वज्रासन

शशांक आसन

वज्रासन: सबसे पहले दरी या योगासन मैट बिछा लें। उसके बाद अपने घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। दोनों एड़ियों को एक-दूसरे से थोड़ा अलग रखें और अपने दोनों पंजों पर नितंब को टिकाएं। इस दरम्यान पीठ, गर्दन और अपने सिर को सीधा रखें और अपने दोनों हाथों को घुटनों पर रखें। यह ध्यान रखें कि हथेलियां नीचे की ओर रहें। अपनी आंखें बंद करें और धीरे-धीरे सांस लें फिर छोड़ें। फिर 5 से 15 मिनट तक इसी स्थिति में रहें। इससे पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से राहत मिलेगी।

शशांक आसन: इसके लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठ जाएं। अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और कानों के पास सीधा रखें। धीरे-धीरे अपनी सांस को छोड़ते हुए आगे की ओर झुकाएं और माथा जमीन से लगाएं। अपने हाथ को भी सामने जमीन पर ही रखें। पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें और कुछ समय इसी स्थिति में रहें। सांस लेते हुए वापस वज्रासन की स्थिति में आ जाएं।

भ्रामरी प्राणायाम: इसे करने के लिए सुखासन, पद्मासन या वज्रासन में रीढ़ को सीधा करके बैठ जाएं। आंखें बंद कर अपने शरीर को एकदम शांत करें। अपने दोनों हाथों की पहली अंगुली को माथे पर रखें। मध्यमा अंगुलियों से आंखों को बंद करें। अनामिका से नाक के पास गालों को हल्का दबाएं और अंगूठों से दोनों कानों को बंद करें। गहरी सांस लें और सांस को छोड़ते हुए भौंरें जैसी आवाज करें। यह प्रक्रिया 5 से 10 बार दोहराएं।

मेरुवक्रासन: योगा मैट पर सीधा बैठ कर पैर आगे की ओर फैलाएं। अपने बाएं पैर को मोड़कर उसका तलवा दाएं घुटने के पास रखें। दायां हाथ बाएं घुटने के बाहर रखें और बाएं हाथ को पीछे जमीन पर टेक लगा दें। अपनी रीढ़ को सीधा रखते हुए धीरे-धीरे धड़ को बाईं ओर मोड़ें। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद वापस धीरे से आ जाएं। अब यही प्रक्रिया दूसरी ओर से दोहराएं।

ताड़ासन: ताड़ासन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और अपने दोनों पैरों को एक साथ मिलाएं। अपने हाथों और पीठ को सीधा रखें। सांस लेते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाएं। उस समय हथेलियां आपस में जुड़ी हुई रहनी चाहिए। अब अपनी एड़ियों को उठाकर पंजों के बल खड़े हो जाएं और अपने पूरे शरीर को ताड़ के पेड़ की तरह ऊपर की ओर खींचें। थोड़ी देर इस स्थिति में रहने के बाद सांस छोड़ते हुए वापस आ जाएं।

इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी योगासन करने से पहले अनुभवी प्रशिक्षक से इसे अच्छी तरह सीख लें।

प्रस्तुति: संध्या रानी

खबर संक्षेप

अग्रवाल महिला विंग का तीज महोत्सव 18 को

रेवाड़ी। मोना गोयल।

रेवाड़ी । सावन मास में मनाए जाने वाला हरियाली तीज उत्सव महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है। शहर में अग्रवाल समुदाय की महिलाओं के लिए अग्रवाल महिला विंग की ओर से 18 जुलाई को शाम 3 से 6 बजे तक अग्रवाल भवन में तीज महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महिला विंग की प्रधान मोना गोयल ने कहा कि समारोह का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करना और नई पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों एवं परंपराओं से परिचित कराना है। उन्होंने तीज महोत्सव में महिलाओं की विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।

राजकीय कॉलेज कोसली में एडमिशन शुरू

प्राचार्य डा. लाज कौशल।

कोसली। कोसली क्षेत्र के एकमात्र राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ओर से प्रत्यायभूतित राजकीय महाविद्यालय कोसली में एडमिशन के लिए फिजिकल काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर डा. लाज ने बताया कि कॉलेज में प्रतिदिन काफी संख्या में विद्यार्थी विभिन्न संकायों में दाखिला लेने के लिए आ रहे हैं। प्राचार्या ने बताया कि कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सुविधाओं में कंप्यूटर प्रयोगशाला, आधुनिक गणित प्रयोगशाला, डिजिटल लैंग्वेज लैब, सभी विज्ञान की प्रयोगशालाएं, पूर्णतया वातानुकूलित पुस्तकालय व इनडोर एवं आउटडोर खेलों की सुविधाएं उपलब्ध हैं। दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना एप्लीकेशन फार्म लेकर महाविद्यालय में आ सकते हैं और उसी दिन अपना दाखिला करा सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार उच्चतर शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्या ने बताया कि अभी वर्तमान में सभी संकायों में विद्यार्थियों के लिए सीटे उपलब्ध हैं। जिस विद्यार्थी के पास 12वीं में विज्ञान संकाय था वह कला, वाणिज्य एवं विज्ञान में किसी भी संकाय में दाखिला ले सकता है तथा जिस विद्यार्थी के पास वाणिज्य संकाय था वह वाणिज्य एवं कला संकाय दोनों में किसी भी संकाय में दाखिला ले सकता है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए वितरित किए पौधे

मंडी अटेली। रिटायर्ड सीआरपीएफ कमांडेंट अमर सिंह ने सोमवार को ग्रामीणों को 2500 फलदार, छायादार, औषधीय पौधे विकृत किए। वहीं खुद ने गांव में चौपाल, मंदिर, पार्क में करीब 200 पौधे लगाए हैं। पर्यावरण संरक्षण एवं पौधा वितरण में आमजन से निवेदन किया कि अपने-अपने घरों में रोपित कर संरक्षित करें, क्योंकि यह पौधा मात्र एक उपहार ही नहीं है, भविष्य की सांसें हैं।

बारिश के मौसम में पशुओं में थनैला बीमारी के प्रकोप की बढ़ जाती आशंका

बारिश और जलभराव में पशुओं के रखरखाव और देखभाल के लिए सावधानियां बरतें पशुपालक

जलभराव व बाढ़ की स्थिति में आपातकालीन रास्ते व चारे के संग्रहण के लिए उचित स्थान की व्यवस्था रखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से पशुपालकों को बारिश और जलभराव के मौसम में पशुओं के रख रखाव और देखभाल के लिए सावधानियां बरतने की सलाह दी है। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डा.नसीब सिंह यादव ने कहा कि पशुपालक मानसून सीजन में जलभराव व बाढ़ से पहले अपने पशुओं को पशुपालन विभाग की ओर से 12 अंकों का टैग लगवाएं, जिससे कसी भी आपात स्थिति में पशु की पहचान की जा सकें। साथ ही पशुओं को गलघोंटू, मुंह खुर और भेड़-बकरियों में फड़का बीमारी से बचाव के लिए टीके लगवाएं। पशुपालक गाय, भैंस, भेड़-बकरी व सुकर आदि पशुओं को कृमिनाशी दवा भी जरूर खिलाएं। कसी कारणवश जो पशुपालक दवा न खिला पाएं हो तो वे पशु अस्पतालों से निःशुल्क दवा ले सकते है। उन्होंने कहा कि पशुपालक मौसम की भविष्यवाणी और जलभराव के खतरों के प्रति जागरूक रहे। जलभराव व बाढ़ की स्थिति में आपातकालीन रास्ते व चारे के संग्रहण के लिए उचित स्थान की व्यवस्था रखें।

बारिश, जलभराव व बाढ़ के बाद यह करे

रेवाड़ी। डा. नसीब सिंह। फोटो: हरिभूमि

■ बारिश के मौसम में पशुओं में परजीवी संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है

पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डा. सिंह ने बताया कि जलभराव या बाढ़ के के पानी के सूखने के बाद पशुपालक पहले पशुओं के बांधे जाने वाले स्थानों का मुआयना करे। वहां पर रोगाणु अथवा विषाणु हो सकते है, इसलिए पशुओं को पुनः बांधने से पहले उस जगह को कीटाणुनाशक दवा से अच्छी तरह से साफ करे। कुछ दिनों तक पशुओं को बाढ़ प्रभावित खुले चारागाहों में लेकर न जाएं। इससे पशुओं को गंभीर बीमारियां हो सकती है। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में बाढ़ या जलभराव के बाद पशुओं में परजीवी संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है, जिसके लिए पशु चिकित्सक की सलाह लेकर कृमिनाशी दवा दे सकते है। उन्होंने बताया कि ऐसे मौसम में पशुओं के आहार में भी बदलाव होता है, जोकि पशु की पाचक क्षमता पर प्रतिकूल असर डाल सकता है, जिसके लिए उचित दवा देना आवश्यक है। उपनिदेशक ने बताया कि बारिश के दौरान नमी और गर्मी के कारण मक्खी-मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ जाता है, जिसका उपाय करना भी निहित जरूरी है। उन्होंने बताया कि जलभराव या बाढ़ के बाद पशुओं को कुछ दिन कच्ची दीवारों, कोठड़ों, बिजली लाइन व बिजली पोल से दूर बांधे, क्योंकि ऐसे समय में अनहोनी होने की संभावना अधिक रहती है।

जलभराव व बाढ़ के दौरान क्या करें

डा. नसीब ने कहा कि बारिश व बाढ़ के दौरान जब पानी बढ़ रहा हो और पशुओं की सुरक्षित निकासी संभव न हो तो ऐसे में पशुओं की रस्सी या बेल खोल दे, क्योंकि खुले हुए पशु की खुद से तैरकर बचने की संभावना अधिक होती है। पानी में खड़े पशुओं में हाइपोथर्मिया यानि सामान्य से कम शारीरिक तापमान जल्दी होने की संभावना रहती है, इसलिए जितना जल्दी हो पशुओं को सूखे स्थान पर ले जाने की कौशिश करें। ऐसे समय में पशुओं को साफ-ताजा पानी उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि जलभराव या बाढ़ में पानी दूषित हो जाता है और अनेक बीमारियों का कारण बनता है। यदि साफ पानी नहीं हो तो पानी में उचित मात्रा में लाल दवा मिला ले।साथ ही पशुओं को पौष्टिक चारा देना भी जरूरी है। पशुपालक ध्यान रखे कि बारिश के मौसम संग्रहित चारे में फफूंद न लगी हो। थोड़ी मात्रा में फफूंद लगा चारा पशुओं के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। उपनिदेशक ने बताया कि बाढ़ की स्थिति में सूखा या मिश्रित चारा हरे चारे की तुलना में अधिक प्रभावशाली होता है, क्योंकि से पशुओं में हाइपोथर्मिया से बचाव में भी मदद करेगा। पशुपालक पूरी तरह गीले व पानी में डूबे चारे का पशुओं को न दे। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में पशुओं के घाव अथवा चोट का तुरंत इलाज कराना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में पशुओं में थनैला बीमारी के प्रकोप की भी आशंका बढ़ जाती है, इसके लिए पशु का नियमित रूप से दूध दोहते रहे और दूध निकालने के उपरांत लाल दवा वाले पानी से पशु के थनों धोकर सुखा ले। जहां तक संभव हो पशुओं को बांधे जाने वाले स्थान पर सूखी मिट्टी का प्रबंध करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश पशु की मौत हो जाती है तो उसे तुरंत दफना देना चाहिए।

रेवाड़ी। सीईटी की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते डीसी अभिषेक मीणा। फोटो :हरिभूमि

सीईटी को नकल रहित व पारदर्शी संपन्न कराने के लिए प्रशासन तैयार

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से ग्रुप-सी की सीईटी यानी कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट परीक्षाओं को नकल रहित, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सजग एवं सतर्क है। डीसी ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट-सीईटी की तैयारियों को लेकर सोमवार को शिक्षा विभाग सहित सीईटी परीक्षा से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। डीसी ने सभी एसडीएम को अपने-अपने उपमंडल के परीक्षा केंद्रों की फिजिकल वेरिफिकेशन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी 26 व 27 जुलाई के लिए धर्मशालाओं को चिन्हित करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति का विशेष ध्यान रखा जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को परीक्षार्थियों के लिए बैठने की सही बैंच, पानी, शौचालयों व साफ-सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि जिले में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थी को किसी भी तरह से परेशानी न हो, इसके लिए व्यापक प्रबंध किए जाएं। डीसी ने कहा कि नकल रहित परीक्षा कराना प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है। एसपी हेमेन्द्र मीणा ने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग व सरकार नकल रहित निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षाएं कराने के लिए कृतसंकल्प हैं। उन्होंने कहा कि आयोग की ओर से सीईटी परीक्षा में किसी भी तरह की हेराफेरी और गड़बड़ी को रोकने के लिए विशेष प्रकार की तैयारियां की गई हैं। जिला पुलिस की ओर से पुख्ता सुरक्षा प्रबंध करते हुए अलर्ट मोड में कार्य किया जाएगा। बैठक में एडीसी राहुल मोदी, एसडीएम सुरेन्द्र सिंह, एसडीएम बावल उदय सिंह, एसडीएम कोसली विजय कुमार, सीटीएम प्रीति रावत, जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चन्द व महाप्रबंधक हरियाणा राज्य परिवहन प्रदीप कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

रामगढ़ भगवानपुर में जारी रहा धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

रामगढ़-भगवानपुर में अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी का धरना सोमवार को 28वें दिन भी जारी रहा। धरने पर गांव बुड़ाना,बुड़ानी, फिदेड़ी, तुर्कियावास, बालियर खुर्द, बालियर कंला, फदनी, मीरपुर, गोकुलपुर व कुंभावास, सुनारिया व मांढेया कलां सहित दर्जनभर गांवों के ग्रामीण शामिल हुए। धरने की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने रविवार के पैदल मार्च में क्षेत्रवासियों का सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग धरने को लेकर अनर्गल तथा अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं, जोकि एकदम गलत व मानवीय मर्यादा के खिलाफ है। इस मौके पर सतीश यादव, कुलदीप यादव, कॉमरेड शमशेर सिंह मीरपुर, लालसिंह, रामकुमार, मोहर सिंह, खजान सिंह पूर्व सरपंच, सतीश सरपंच, महीपाल सिंह फदनी,शीशपाल,नरेश, मास्टर प्रेम प्रकाश, नवल सिंह, गजराज सिंह , राज, सतीश सरपंच, नरेश फोरमैन, अनिल सरपंच गोकुलपुर, इंद्रजीत, सत्यवीर सरपंच, अभय सिंह, इंद्रजीत नंबरदार, राजबीर, वीरेंद्र सिंह, रोशनलाल, रामनारायण, कृष्णा देवी भगवानपुर सरपंच, सुशीला, मुकेश, रमेश, शीला, मोनिका, निर्मला, ज्ञानवती, बीरमती, राजेश्वरी, बिमला, कमलेश शकुंतला, कमला, सुनीता व आशा सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

पैनल्ड अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का इलाज फ्री करा सकता है

नाहड़ सीएचसी में बुजुर्गों को वितरित किए आयुष्मान कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

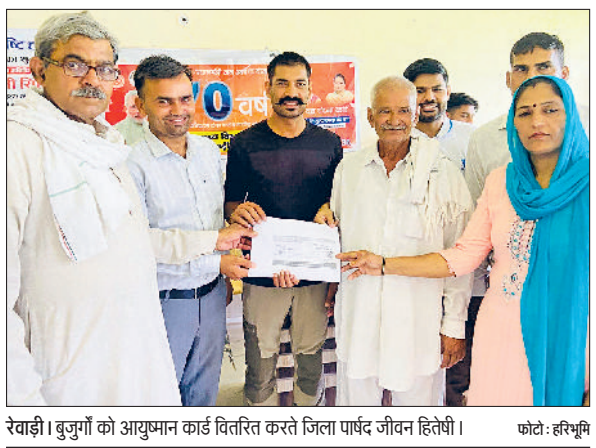

रेवाड़ी। बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड वितरित करते जिला पार्षद जीवन हितेषी। फोटो: हरिभूमि

नाहड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को आयुष्मान कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पार्षद एडवोकेट जीवन हितैषी ने लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर जिला पार्षद जीवन हितैषी ने कहा कि हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव तथा विधायक अनिल यादव के सान्निध्य में कोसली विधानसभा क्षेत्र में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल पूरे देश में लागू किया था, जिसकी बदौलत बुजुर्ग अगर बीमार हो जाए तो वह पैनल्ड अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का इलाज फ्री करा सकता है। इस अवसर पर एसएमओ डा. सचिन शर्मा, कैप्टन कर्म सिंह, अनुज बग्गा राव, हरीश, डा. योगेन्द्र, जयबीर, हिम्मत, अनिल व बिजेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

महिलाओं को कलश वितरित किए

ब्रह्मगढ़ में श्रीमद् भागवत कथा का हवन व भंडारे के साथ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर कलश लेती हुईं महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

सरकुलर रोड स्थित ब्रह्मगढ़ परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का हवन व भंडारे के साथ समापन हो गया। कथा व्यास भागवत मंडल वृंदावन धाम से महेश पतसारिया ने मुख्य सहयोगी महेंद्र गोयल सपत्नीक से पूजन कराकर हवन सम्पन्न कराया। हवन के उपरांत कलश यात्रा में शामिल रही महिलाओं को कलश वितरित किए गए। कथा वाचक महेश पतसारिया ने कहा कि महिलाएं कलश हरित धान्य भागवत का खजाना एवं भागवत महारानी का प्रसाद लेकर प्रस्थान कर रही है। उन्होंने कहा कि कलश के जल से रोगी व्यक्ति को स्नान करवाने से रोग का निवारण होगा, हरे धान्य से घर में स्मृद्धि बढ़ेगी व सुख-शांति बनेगी और परिवार सुखमय जीवन व्यतीत करेगा।

सभी महिलाओं ने कलश लेकर ठाकुर जी के चरणों में प्रणाम किया और सदा खुश रहने के लिए अपनी अरदास लगाई। इसके बाद श्रृद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस शुभ अवसर पर ब्राह्मण सभा के प्रधान चंद्रशेखर गौतम, महासचिव जयकुमार कौशिक, शिवकुमार शर्मा, ब्रह्मप्रकाश भारद्वाज, सुभाष अग्रवाल, वरुण यादव व रमेश वशिष्ठ सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

संगवाडी में वीर सिंह छावड़ी का हुआ सम्मान

■ संगठन को सशक्त बनाने में छावड़ी का योगदान अहम होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद जिलाध्यक्ष वंदना पोपली व अन्य पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने गांव संगवाडी में नवनियुक्त जिला मंत्री वीर सिंह छावड़ी के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली, जिला महामंत्री पंडित हिमांशु पालीवाल, जिला आईटी प्रमुख नवीन शर्मा, जिला कार्यालय प्रमुख सतपाल धूपिया, मीरपुर मंडल अध्यक्ष नवीन, राजेश व सुरेन्द्र सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर डा. पोपली ने कहा कि छावड़ी का यह नया दायित्व पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करेगा। उनके अनुभव और समर्पण से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी। पालीवाल ने कहा कि संगठन को सशक्त बनाने में छावड़ी का योगदान अहम होगा। नवनियुक्त जिला मंत्री छावड़ी ने कहा कि वे पार्टी और जनता के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर गांव के मौजिज लोग और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक किया

शहर के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विधि विधान से की पूजा अर्चना

सावन के पहले सोमवार पर मंदिरों में लगी भक्तों की भीड़, जलाभिषेक कर भोले को किया प्रसन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में भोले बाबा की पूजा करते श्रद्धालु। व सोलहराही स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव की पूजा करते श्रद्धालु।

सावन माह के पहले सोमवार को शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों व शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखाई दी। प्रातः से ही श्रद्धालु मंदिरों में भगवान शिव की आराधना के लिए पहुंचने शुरू हो गए। यह क्रम दोपहर तक चलता रहा। शहर के बारा पत्थर भूतेश्वर महादेव मंदिर, मोती चौक स्थित श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर, सोलहराही स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर, नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर, आजाद चौक स्थित शिव मंदिर व मॉडल टाउन स्थित शिव चौक सहित सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने आक, धतूरा, शहद, बेलपत्र व दूध अर्पण करके भगवान शिव को प्रसन्न किया। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री ने कहा कि सावन माह के सोमवार को भगवान शिव की सच्चे मन से पूजा करने पर कई गुणा लाभ मिलता है। प्रसन्न होने पर यह तीनों लोकों के सुखों को श्रद्धालुओं के लिए सुलभ कर देते हैं।

शिव महापुराण कथा सुनने से मिलता फल

सावन के महीने में शहर के कई मंदिरों में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। सावन के माह में शिव महापुराण कथा सुनने से भगवान शिव मनवांछित फल देते हैं। कांवड़िए भी कांवड़ लेने के लिए बड़ी संख्या में हरिद्वार गोमुख पहुंच रहे हैं। 23 जुलाई को शिवरात्रि के पर्व पर कांवड़ में लाए गए गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा। जिले में सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं ने कांवड़ियों की सेवा के लिए कांवड़ शिविर भी लगा दिए है।

रेवाड़ी। एनसीसी कैडेट्स प्राचार्य व स्टाफ के साथ। फोटो :हरिभूमि

गवर्नमेंट कॉलेज की छात्राओं ने एनसीसी कैंप में जीते 21 मेडल

रेवाड़ी । राजकीय बहुतकनीकी संस्थान लिसाना में आयोजित हुए 10 दिवसीय एनसीसी कैंप में गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज सेक्टर-18 की 34 एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय भागेदारी निभाते हुए कॉलेज और जिले का नाम रोशन किया। एनसीसी प्रभारी ज्योति यादव के नेतृत्व में छात्राओं ने अनुशासन, देशभक्ति और आत्मनिर्भरता की भावना से ओतप्रोत होकर विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। कैडेट्स ने मैप रीडिंग व फायरिंग सहित एनसीसी की अनेक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ड्रिल, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और समूह गतिविधियों में भी अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिया। एनसीसी कैंप में छात्राओं ने 21 पदक अपने नाम किए। ड्रिल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कैडेट्स में विशाखा, नेहा, महक, मुस्कान, एकता, भारती, निधि, नेहा और उषा शामिल रहीं। 200 मीटर दौड़ में एकता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सिंगिंग प्रतियोगिता में एकता और मुस्कान ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं, टग ऑफ वॉर में नीरू, पूजा और निशा की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने सभी प्रतिभागी छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। प्राचार्य ने कहा कि एनसीसी न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास करती है, बल्कि राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व जैसे गुण भी छात्रों में विकसित करती है। प्राचार्य व स्टाफ ने छात्राओं को सम्मानित किया।

खबर संक्षेप

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर प्रदर्शनी आज

रेवाड़ी। केंद्र सरकार की ओर से आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर लोकतंत्र के अंधकार युग के रूप में याद करते हुए आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि व सम्मान देने के लिए सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग हरियाणा की ओर से शहरी क्षेत्र में लघु सचिवालय परिसर व ग्रामीण क्षेत्र में कोसली उपमंडल सचिवालय में 15 जुलाई से तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि 15 जुलाई को प्रातः 11 बजे लघु सचिवालय में डीसी अभिषेक मीणा प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि आपातकाल यानि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के काले अध्याय के 50 वर्ष पूरे होने पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

गीता बनी उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की सदस्य

रेवाड़ी। दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम ने अपनी मंडल उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम में पूर्व पार्षद कुमारी गीता को शामिल किया है। कुमारी गीता

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व कैबिनेट मंत्री आरती राव की खास समर्थक मानी जाती हैं। वह भाजपा के लिए भी समर्पित भाव से कार्य करती रही हैं। बिजली वितरण निगम की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार डिविजनल कंज्यूमर गीवेंसीस रिड्रेसल फोरम में निगम के रेवाड़ी एक्सईएन चेयरमैन हैं, जबकि धारूहेड़ा के लेखाकार व बावल के एसडीओ मेंबर हैं। इस फोरम में कुमारी गीता को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

कोसली क्षेत्र के गांव से नाबालिग लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव से एक नाबालिग लड़की बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। मूल रूप से पश्चिम बंगाल निवासी लड़की के पिता ने कोसली थाने में दी शिकायत में बताया कि दसवीं कक्षा में पढ़ रही उनकी 15 वर्षीय बेटी शनिवार शाम अचानक घर से गायब हो गई। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ौस व गांव में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नही लगा। पुलिस ने पिता की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

स्वास्थ्य विभाग डेंगू व मलेरिया से निपटने के लिए शहर व गांवों में करवा रहा सोर्स रिडक्शन

बरसात से जलभराव के बाद एक्टिव होने लगा डेंगू का डंक

फोगिंग की पड़ने लगी जरूरत, लार्वा मिलने पर अब तक 937 को थमाएं नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बरसात के बाद जिले में जगह-जगह जलभराव होने से डेंगू व मलेरिया का खतरा भी बढ़ गया है। जिले में अभी तक 16 डेंगू पॉजिटिव व 7 मलेरिया के केस मिल चुके है। सोमवार को एक डेंगू पॉजिटिव मरीज मिला है। बरसात के मौसम में सरकारी व निजी अस्पतालों में ओपीडी भी लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जुलाई में डेंगू रोधी माह मनाया जा रहा है, जिसके तहत लोगों को बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जलभराव से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। प्रशासन की ओर से अब फोगिंग कराने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग के एसआई, एमपीएचडब्ल्यू व ब्रीडिंग चेकर लगातार गांवों व शहरी क्षेत्र में सोर्स रिडक्शन का कार्य कर रहे है, जिसके लिए टीम घर-घर लार्वा की जांच करने के साथ लोगों को जागरूक कर रही है तथा बुखार से पीड़ित लोगों की स्लाइड भी तैयार की जा रही है।

रेवाड़ी। युवक को जागरूकता के लिए पंपलेट देते हुए स्वास्थ्यकर्मी।

रेवाड़ी। सड़क के पास जमा पानी में दवा डालते हुए स्वास्थ्यकर्मी।

अब तक 937 लोगों को थमाए नोटिस

गत वर्ष जिले में 406 डेंगू व मलेरिया के 9 केस आए थे। इस बार अभी तक डेंगू के 16 व मलेरिया के 7 केस मिल चुके है। घरों में लार्वा मिलने पर अब तक 937 लोगों को नोटिस भी थमाए जा चुके है। इसके अलावा जनवरी से अब तक 1054284 घरों में मॉस फीवर सर्वे किया जा चुका है। अब तक बुखार पीड़ित 1393 लोगों के सैंपल भी लिए जा चुके है। अभी तक शहर में 1, सीएचसी गुरावड़ा में 2, सीएचसी बावल में 3, सीएचसी खोल में 7 व आउट ऑफ डिस्ट्रिक्ट से शहर में 3 केस सहित 16 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। जिले के तालाबों में गम्बूजिया मछली छोड़ी गई है तथा गंदे पानी में काला तेल डाला जा रहा है।

-विरेन्द्र सिंह, मलेरिया हेल्थ इंस्पेक्टर।

पानी न एकत्रित होने दे: सीएमओ

डेंगू व मलेरिया से निपटने के लिए टीम की ओर से सर्वे किया जा रहा है। जुलाई माह को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाया जा रहा है। लोग अपने घरों में एक दिन ड्राई-डे मनाकर फ्रीज की ट्रे, पानी की टंकी व पशु खेल में भरे पानी को खाली करके अवश्य साफ करें ताकि मच्छर का लार्वा पनपने से पहले ही खत्म हो जाए।

-डा. नरेन्द्र दहिया, सीएमओ।

डेंगू व मलेरिया के ये हैं लक्षण

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। बुखार व सिरदर्द, मांसपेशियों, हड्डियों व जोड़ों में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी लगना, आंखो में आसपास दर्द, ग्रंथियो में सूजन व स्किन पर लाल चकते हैं तो तुरंत अलर्ट होने की जरूरत है यह डेंगू के लक्षण है। मलेरिया में मरीज के सिर दर्द होना, शरीर में कंपन, ठंड लगना, थकान, बुखार आना, उल्टी होना, जी मिचलना, चक्कर आना प्रमुख कारण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

संजय बने रोटरी क्लब रेवाड़ी रॉयल्स के प्रधान

रेवाड़ी। रोटरी क्लब रेवाड़ी रॉयल्स के सदस्य बैठक करते हुए। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रोटरी क्लब रेवाड़ी रॉयल्स की मीटिंग में क्लब के कार्यों की समीक्षा की गई और भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों एवं प्रोजेक्ट के बारे में विचार विमर्श किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता क्लब ट्रेनर नवीन अरोड़ा ने की। इस मौके पर सर्वसम्मति से संजय डाटा को क्लब का प्रधान नियुक्त किया गया। संजय डाटा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मीनाक्षी अरोड़ा को क्लब की सचिव का कार्यभार सौंपा। क्लब के जन संपर्क अधिकारी याद के सुगंध ने उनके निर्णय का स्वागत किया। पास्ट प्रेसिडेंट विपिन ढींगरा ने प्रेसिडेंट का कालर पहना कर संजय डाटा को सम्मान दिया। क्लब ट्रेनर नवीन अरोड़ा ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान जो भी सेवाएं जरूरतमंदों को मुहैया कराई जा रही थीं, वह आज भी जारी है। मूक-बधिर बच्चों के स्कूल नव प्रेरणा और सिविल अस्पताल में वाटर कूलर लगाकर पीने के पानी की व्यवस्था की गई है व एक संस्था को ऑन डिमांड 6 सीलिंग फैन्स भी दिए गए हैं। सोलहराही श्मशान घाट में शव वाहन की निःशुल्क सेवा गत कई वर्षों से चली आ रही है। समय-समय पर रक्तदान शिविर, मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल कैंप, महिलाओं के स्तन कैंसर की जांच के लिए मैमोग्राफी वैन की व्यवस्था, पर्यावरण की सुरक्षार्थ के लिए पौधरोपण व वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सहित जनहित के कार्य किए जा रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डा. सुरेन्द्र अरोड़ा, पूर्णिमा अरोड़ा, डा. कपिल मेहंदीरत्ता, डा. दीप्ति मेंहदीरत्ता, डा. तरुण यादव, डा. ऋचा यादव, अरुण अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, रोहित सचदेवा, पूजा सचदेवा, अमन गुप्ता, ऋद्धि गुप्ता, संजीव दुआ, चित्रा दुआ, श्याम चुग, रेनू चुग, श्याम सुंदर और अनुप पांडे को रोटरी पिन लगाकर सदस्यता ग्रहण कराई गई। फर्स्ट लेडी ऑफ द क्लब बरखा डाटा, विपिन ढिंगरा, प्रीति ढींगरा, डा. आत्म प्रकाश यादव, डा. अंजू यादव, विशन यादव, महेंद्र रूपेला, अंजू रूपेला, चैतन्य रूपेला, मेघा रूपेला, दीपक गुप्ता, पिंकी गुप्ता, प्रदीप नरूला, सीमा नरूला, डा. धर्मवीर यादव, निधि यादव और सुनीता चौंकन सहित सभी सदस्यों ने नवनियुक्त प्रधान संजय डाटा को शुभकामनाएं दीं।

नशा बेचने वालों की असली जगह जेल: एसपी

- पुलिस की नशा मुक्त टीम ने गांव शेखपुर, खुर्रमपुर, शाहपुर, तिहाड़ा व धरचाना में चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस ने युवाओं व आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने और खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। पुलिस की नशा मुक्त टीम रोजाना डोर टू डोर सम्पर्क करके लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक कर रही है। पुलिस नशा करने वालों की जानकारी एकत्रित करके उनकी काउंसलिंग कराकर नशा छोड़ने के लिए भी प्रेरित कर रही है। पुलिस की नशा मुक्त टीम ने सोमवार को गवर्नमेंट स्कूल गांव शेखपुर, खुर्रमपुर, शाहपुर, तिहाड़ा व गांव धरचाना में शिक्षकों, विद्यार्थियों व आमजन को नशे से दूर रहने तथा शिक्षा व खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने सभी को नशा न करने की शपथ भी दिलाई।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के अभियान से प्रेरित होकर जहां युवा शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, वहीं पर अनेक नशा ग्रस्त युवकों ने नशा छोड़ने की पहल भी की है, जिनका स्थानीय प्रशासन की मदद से इलाज कराकर फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि अगर किसी के पास नशे संबंधी सूचना है, कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई इत्यादि करता है तो इस बारे पुलिस को मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करें।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों व ग्रामीणों को शपथ दिलाते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

लंबित मामलों के निस्तारण के लिए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश करें

- एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने किया नाहड़ चौकी का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने सोमवार नाहड़ चौकी का औचक निरीक्षण कर थाना प्रबंधक कोसली व चौकी इंचार्ज को क्राइम कंट्रोल के संबंध में दिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एसपी ने चौकी के रिकॉर्ड व फाइलों की जांच करने के साथ ही चौकी परिसर की साफ सफाई का भी जायजा लिया और खामियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए। एसपी हेमेंद्र कुमार ने सर्वप्रथम कानून एवं व्यवस्था व दर्ज मुकदमों में की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के निस्तारण के लिए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश करें। पीओ व बेल जम्पर अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए तथा किसी भी दर्ज मुकदमे की जांच बेवजह लंबे समय तक पेंडिंग न रखे। एसपी ने कहा कि पुलिस स्टाफ महिला विरूध अपराध, अवैध हथियार व मादक पदार्थों की तस्करी, जुआरियों, सट्टेबाजों तथा अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करें।

रेवाड़ी। नाहड़ चौकी के निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते एसपी।

सीआईए ने काबू किया अवैध हथियार मुहैया कराने वाला

- आरोपी को कोर्ट में पेश करने बाद उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए की टीम ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

सीआईए की टीम ने खोल गांव से कुतुबपुर निवासी गौरव को देशी पिस्टल व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ कई थानों में केस दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि कुतुबपुर में रह रहे मूल रूप से मध्यप्रदेश के लेवड़ा निवासी समीर खान से उसने देशी कट्टा लिया था। पूछताछ के बाद सीआईए ने समीर खान को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी समीर खान।

भगवान महावीर विद्यापीठ के चुनाव 14 अगस्त को

- विवेक जैन एवं नितिन जैन को बनाया गया निर्वाचन अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भगवान महावीर विद्यापीठ के त्रिवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस संबंध में विद्यापीठ के सदस्यों की आम सभा बुलाई गई। सभा में सर्वसम्मति से विवेक जैन को मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं नितिन जैन को सहायक निर्वाचन अधिकारी घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी ने चुनावी प्रारूप जारी करते हुए 24 अगस्त को चुनाव कराने की घोषणा की। चुनाव लड़ने के इच्छुक सदस्य 18 व 19 जुलाई को जैन पब्लिक स्कूल स्थित चुनाव कार्यालय से नामांकन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विवेक जैन ने बताया कि विद्यापीठ के चुनाव में पांच पदों एवं चार शासकीय निकाय सदस्यों के लिए नामांकन पत्र भरे जाएंगे। प्रधान, उप प्रधान, सचिव, सहसचिव-प्रबंधक तथा कोषाध्यक्ष के लिए 7000 तथा सदस्यों के लिए 3500 रुपए शुल्क रखा गया है। नामांकन पत्र 18 व 19 जुलाई को जैन पब्लिक स्कूल स्थित चुनाव कार्यालय से प्रातः 9 बजे से दोपहर एक बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं। 24 जुलाई को भरे हुए आवेदन पत्र जमा कराए होंगे और इसी दिन नामांकन की छंटनी के बाद दोपहर 2 बजे वैध प्रत्याशियों की सूची लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति एक ही पद के लिए नामांकन भर सकता है।

सहायक चुनाव अधिकारी नितिन जैन ने बताया कि 25 जुलाई को सुबह 9 बजे से दोपहर एक बजे तक नामांकन पत्रों पर आपत्ति सुनी जाएगी। 26 जुलाई को सुबह 9 बजे से दोपहर एक बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। 28 जुलाई को दोपहर एक बजे चुनाव चिह्न आवंटित करने के बाद 2 बजे बाद फाइनल प्रत्याशियों की सूची लगाई जाएगी। उपरोक्त पदों के लिए यदि आवश्यकता हुई तो 24 अगस्त को मतदान कराया जाएगा।

नितिन जैन।

विवेक जैन।

अनाधिकृत ग्रामीण निर्माणों को नियमित करने के लिए नीति शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ग्रामीणों को राहत प्रदान करने और नियोजित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार ने गांवों में अनाधिकृत निर्माणों के नियमितीकरण के जिए एक नीति शुरू की है। यह नीति हरियाणा ग्राम साझा भूमि अधिनियम, 1961 की धारा 5 में संशोधन के बाद लागू की गई है। आयुक्त एवं सचिव, विकास एवं पंचायत विभाग हरियाणा डा. अमित कुमार अग्रवाल ने नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने धारा 5ए में संशोधन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब ग्राम पंचायतों को राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से गैर-कृषि योग्य शामलात देह भूमि को उन ग्रामीणों को बिक्री के माध्यम से हस्तांतरित करने का अधिकार देता है, जिन्होंने 31 मार्च, 2004 को या उससे पहले मकान बनाए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा नियमितीकरण निर्मित क्षेत्रफल के 25 प्रतिशत तक के मकानों और संबंधित खुले स्थानों पर लागू होगा, जो कुल मिलाकर 500 वर्ग गज से अधिक नहीं होना चाहिए। भूमि यातायात या सार्वजनिक उपयोगिताओं में बाधा नहीं डालनी चाहिए या तालाबों, जल निकायों या रास्तों व फिरनी के लिए आरक्षित नहीं होनी चाहिए। बिक्री बाजार दर से कम दर पर नहीं की जाएगी, जिसका निर्धारण एक निर्धारित तरीके से किया जाएगा और इस निर्धारण के नियमों को जल्द से जल्द अधिसूचित किया जाएगा। डा. अग्रवाल ने उन घटनाओं पर चिंता व्यक्त की जहां नए प्रावधानों के तहत भूमि खरीदने की निवासियों की इच्छा के बावजूद, बेदखली याचिकाओं का कड़ा विरोध किया जाता है या इन अनधिकृत निमार्णों को ध्वस्त करने के लिए बलपूर्वक कार्रवाई की जाती है।

मॉडल टाउन की ग्रीन बेल्ट व विजय नगर से अवैध कब्जे हटवाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीसी मीणा ने होली चाइल्ड स्कूल के पास गली नंबर-1 में जलभराव व गांव कंवाली में पहाड़ से खेतों में आ रहे पानी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेतों में फसल खराब न हो, इसके लिए पाइप लाइन बिछा कर पानी निकासी का प्रबंध करें। पीथड़ावास गांव में पीने के पानी की टूटी पाइप लाइन को ठीक करने के निर्देश दिए गए। डीसी ने मॉडल टाउन की ग्रीन बेल्ट व विजय नगर में अवैध कब्जे हटवाने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में गोकलगढ़ से आए सुरेन्द्र सिंह की मौके पर ही बुढ़ापा पेंशन बनवाई गई। समाधान शिविर में नागरिकों की ओर से परिवार पहचान पत्र में नाम दर्ज कराने, पेंशन संबंधी अड़चनों, अवैध कब्जों, बिजली, सोलर पैनल संबंधी शिकायतों, रास्तों के पक्कीकरण से जुड़ी समस्याओं तथा अन्य विभागों से जुड़ी अनेक समस्याओं का मौके पर निपटान करने के निर्देश दिए।

रेवाड़ी। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए डीसी अभिषेक मीणा। फोटो :हरिभूमि

कार्यशाला का विषय अपने आंतरिक सामर्थ्य व कमजोरियों को जानना था

मस्तिष्क सकारात्मक हो, तो हमारा सबसे बड़ा मित्र होता

- जब हम अपनी आंतरिक कमजोरियों को पहचानते हैं, तो हमें उन्हें दूर करने की शक्ति भी प्राप्त होती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आर्टऑफ लिविंग संस्था की ओर से गढ़ी बोलनी रोड स्थित अमनगनी सोसायटी, में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय अपने आंतरिक सामर्थ्य और कमजोरियों को जानना था। सत्र का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक ब्रह्मप्रकाश भारद्वाज ने किया। इस मौके पर भारद्वाज ने आत्म-जागरूकता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि जब हम अपनी आंतरिक कमजोरियों को पहचानते हैं, तो हमें उन्हें दूर करने की शक्ति भी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि मस्तिष्क यदि सकारात्मक रूप से प्रशिक्षित हो, तो हमारा सबसे बड़ा मित्र बन जाता है, परंतु यदि इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाए, तो यह हमारा सबसे बड़ा शत्रु भी बन सकता है, जिससे हम छोटी-छोटी बातों में और लोगों से अनावश्यक रूप से प्रतिक्रिया करने लगते हैं।

उन्होंने बताया कि नियमित प्राणायाम, ध्यान और सुदर्शन क्रिया के अभ्यास से हम अपनी आंतरिक शक्ति को बढ़ा सकते हैं और कमजोरियों से बाहर आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें खुश या दुखी करने वाला हमारा स्वयं का मन ही है और अंततः हम स्वयं ही अपनी भावनाओं और अनुभवों के उत्तरदायी होते हैं। सामान्य जीवन में हम अक्सर दूसरों या परिस्थितियों को दोष देते हैं, जबकि सच्चा सशक्तिकरण तब होता है,जब हम अपनी पूरी जिम्मेदारी खुद लेते हैं। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने प्राणायाम और ध्यान का प्रत्यक्ष अनुभव किया और सभी ने अपने मन में शांति, स्थिरता और सुकून की अनुभूति साझा की। कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार, उर्मिला भारद्वाज, प्रमिला और दिव्या भारद्वाज ने सहयोग किया। ब्रह्मप्रकाश भारद्वाज ने सोसायटी के निदेशक त्रिलोक शर्मा व सोयायटी निवासियों का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। कार्यशाला में सोसायटी वासियों को जानकारी देते ब्रह्मप्रकाश भारद्वाज।